कृषि विज्ञान केन्द्र

जापानी फार्म, कतीरा, भोजपुर, आरा,

(बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर, भागलपुर)

bhojpurkvk@gmail.com
09431091369

नाम : श्री भीम राज राय
पिता का नाम : स्व0 झम्मन राय
ग्राम–देवचंदा, पंचायत–देनचना वाल तिलाढ़
प्रखंड–भोजपुर, जिला–भोजपुर
मो0 नं0 – 8210767527

ये प्रारंभ से ही जिज्ञासु किसान रहे है। वर्ष 1996 में कृषि विज्ञान केन्द्र के संपर्क में आकर निरंतर प्रशिक्षण कार्यों में भाग लेते रहे है। प्रारंभ से ही 33 एकड़ क्षेत्र फल में धान, गेहूँ फसल का उत्पादन किया करते थे। कृषि क्षेत्र में विकास के अन्य विकल्पों के ज्ञान का अभाव था, जिसके कारण कृषि में वांछित लाभ नही मिल पाता था। कृषि यांत्रिकीकरण की अल्प जानकारी थी। उत्तम बीज एवं उर्वरक तथा कीट प्रबंधन की भी समुचित जानकारी नही होने के कारण कृषि लागत ज्यादा थी।

संभावित विकल्पों की तलाश एवं कृषि ज्ञानवर्धन हेतु इनका केन्द्र में आना–जाना प्रारंभ हुआ। इन्होने प्रशिक्षण के बाद पशुपालन एवं मत्स्य पालन के क्षेत्रों में कार्य प्रारंभ किया। कृषि क्षेत्र में कृषि संयत्रों का समावेशन तथा, जीरो टिलेज से गेहूँ की खेती, नवीनतम प्रभेदों का चयन भी प्रारंभ किया। पशुपालन से सिर्फ दुग्ध उत्पादन ही नही, बल्कि उत्कृष्ट नस्लों के बछिया का भी अपने क्षेत्र में विपणन प्रारंभ किया। गोविन्द वल्लभ पंत कृषि विश्वविद्यालय, पंतनगर से तकनीक प्राप्त कर अल्प अवधि में परिपक्व होने वाले मछली का पालन प्रारंभ किया। एकिकृत फसल प्रणाली के तहत् संपूर्ण कृषि प्रक्षेत्रों में खाद्यान फसल तथा बागवानी की फसलों की खेती प्रारंभ की।

इनके रचनात्मक कार्यों को देखते हुए कृषि विज्ञान केन्द्र, भोजपुर ने इन्हें ''वैज्ञानिक सलाहकार समिति में प्रगतिशील कृषक के तौर पर आमंत्रित किया'' एवं इनके सहयोग से तकनीकों के हस्तानान्तरण में काफी सहयोग मिला। इनके कार्यों को देखते हुए बिहार सरकार ने इन्हें वर्ष 2007 में ''किसान भूषण'' से सम्मानित किया। आपकी कृषि क्षेत्र में समग्र कार्यों की ध्यान में रखते हुए दो बार पंचायत का मुखिया निर्वाचित किये गये। आपके पास विभिन्न प्रकार के कृषि उपकरणों उपलब्ध है, जिनका उपयोग स्वंय भी करते है और आस–पास के लोगों को भी उपलब्ध कराते है।

इनके कृषि में उपलब्धियों को देखते हुए कृषि जागरण, मीडिया हाउस एवं आई.सी.ए.आर. ने संयुक्त रूप से 7 दिसंबर 2023 को ''मिलिनियर कृषक सम्मान'' से नई दिल्ली में सम्मानित किया।

वर्त्तमान में पाँच गाय, मछली पालन, बगवानी एवं धान, गेहूँ तथा सब्जियों की खेती से बाईस लाख दस हजार वार्षिक आय प्राप्त कर रहे है।

उत्प्रेरक संस्था :– बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर, भागलपुर, आत्मा, भोजपुर, गोविन्द वल्लभ पंत कृषि विश्वविद्यालय, पंतनगर एवं कृषि विज्ञान केन्द्र, भोजपुर, आरा।

फोटो

कृषि विज्ञान केन्द्र

जापानी फार्म, कतीरा, भोजपुर, आरा,
(बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर, भागलपुर)
bhojpurkvk@gmail.com
09431091369

नाम : श्री अजब नारायण सिंह
पिता का नाम : श्री महानंद सिंह
ग्राम–महकमपुर, पंचायत–खेसरहियाँ
प्रखंड–कोइलवर, जिला–भोजपुर
मो0 नं0 – 9852185697

इनके गाँव की अधिकांश भूमि उपरी भूमि है। यहाँ दोमट, बलूई दोमट, कुछ भागों में काली मिट्टी पाई जाती है। ये हमेशा विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लेते रहते है। इनके यहाँ पहले सिर्फ धान एवं गेहूँ की खेती होती थी। कभी–कभी वर्षा के अभाव में धान की उत्पादकता में काफी कम हो जाती थी। सही फसल प्रणाली एवं कार्य योजना के अभाव में उत्पादन में काफी कमी महसूस हो रही थी।

कृषि में अन्य विकल्पों की तलाश में आपका कृषि विज्ञान केन्द्र एवं कृषि कार्यालय, भोजपुर में आना जाना प्रारंभ हुआ। इसी दौरान इनके गाँव का चयन जलवायु अनुकूल कृषि कार्यक्रम में 2020 में हो गया। केन्द्र के प्रयास से ग्राम वासियों के साथ इन्होने बाजरा की खेती प्रारंभ की। बाजरा+आलू/मटर/सरसों/मक्का फसल प्रणाली को अपनाया। आप आलू एवं मटर की खेती के लिए खेत को खाली रखते थे। परन्तु वर्त्तमान समय में आपके खेत का कोई भी भाग खाली नही रहता है। इनके द्वारा गरमा बाजरा की खेती भी प्रारंभ की गई । इनके पास 8 एकड़ भूमि है तथा साथ में दो दुधारू भैस है। एक एकड़ में मौसमी सब्जी एवं मटर (सब्जी) की खेती से अतिरिक्त आय प्राप्त कर रहे है। जलवायु अनुकूल कृषि कार्यक्रम के तहत् इन्हें आई.आर.आर.आई.वाराणसी, बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर, आत्मा के द्वारा गोविन्द बल्लभपंत कृषि एवं प्रौघोगिकी विश्वविद्यालय, पंतनगर में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेने का अवसर प्राप्त हुआ। फलस्वरूप जलवायु अलुकूल कृषि कार्यक्रम के समेकित कीट प्रबंधन, उर्वरक प्रबंघन, नवीनतम किस्मों के बीज, भूमि समतलीकरण आदि के सफल कियान्वयन से इनके उत्पादन एवं उत्पादकता में व्यापक बृद्धि हुई।

इनकी सफलता को देखते हुए बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर, भागलपुर द्वारा वर्ष 2022 में Farmers Scientist Agri Officer मिटिंग में भाग लेने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।

वर्ष 2020 से पहले उनकी कृषि से औसत वार्षिक आय 1.50 लाख से 2.00 लाख के मध्य थी जो वर्त्तमान समय में बढ़कर रू0 4.50 (चार लाख पचास हजार) लाख हो चुकी है, जिससे ये काफी उत्साहित है।

उत्प्रेरक संस्था – बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर, भागलपुर, आत्मा, भोजपुर, एवं कृषि विज्ञान केन्द्र, भोजपुर, आरा।

फोटो

कृषि विज्ञान केन्द्र

जापानी फार्म, कतीरा, भोजपुर, आरा,

(बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर, भागलपुर)

bhojpurkvk@gmail.com
09431091369

नाम : श्री संजीव कुमार सिंह
पिता का नाम : स्व0 कृष्ण मोहन सिंह
ग्राम–जलपुरा, पो0–श्रीपालपुर,
पंचायत–खेसरहियाँ
प्रखंड–कोइलवर, जिला–भोजपुर
मो0 नं0 – 9973404399

इनके गाँव में अधिकांश खेत पूर्व में वर्षा आधारित फसल प्रणाली के द्वारा किये जाते रहे है। सिंचाई सुविधा के अपर्याप्त होने के कारण मुख्य रूप से यहाँ सिर्फ धान गेहूँ एवं कुछ क्षेत्रों में सब्जी फसल उगाई जाती थी, फलस्वरूप लागत के विरूद्ध आय कम होती थी। यहॉ की अधिकत भूमि उपरी या मध्यम श्रेणि का है। सिंचाई जल का अभाव एवं विपणन तथा फसल संग्रहण की व्यवस्था नही के बराबर थी, जिसके कारण बिचौलिए के माध्यम से अनाजो विपणन का कार्य किया जाता था।

आपके पास 30 एकड़ भूमि उपलब्ध थी एवं सिंचाई की व्यवस्था निजी नलकुप के द्वारा होने के पश्चात् अल्प अवधि के धान के साथ गरमा एवं खरीफ में मक्का उत्पादन, गेहूँ, सब्जी आदि की खेती का समावेशन हुआ। आपके गाँव का चयन जलवायु अनुकूल कृषि कार्यक्रम में हुआ। इसके बाद कृषि में नवीनतम मशीनों का प्रयोग, विभिन्न तकनीक यथा धान की सीधी बुवाई, समेकित उर्वरक प्रबंधन, जलवायु आधारित कृषि प्रणाली से संबंधित प्रशिक्षण के बाद आप लोगों में जागरूकता आई और आज कृषि में विविधता के कारण अधिक से अधिक लाभ प्राप्त हो रहा है। वर्त्तमान समय में आपकी आलू की खेती के लाभ को देख कर लगभग 1000 एकड़ में गॉव के आसपास आलू की खेती हो रही है। साथ ही फसल प्रणालियों में भी बदलाव हुआ है। पूर्व में धान+गेहूँ/चना/मसूर प्रणालीही मुख्य थी। परन्तु कृषि विज्ञान केन्द्र, भोजपुर द्वारा धान+गेहूँ+बाजरा/मक्का, बाजरा+सरसों/मटर/गेहूँ/मक्का प्रणाली को अपना कर आप एवं अन्य ग्रामीण अत्याधिक लाभ प्राप्त कर रहे है।

कृषि क्षेत्र में इनके सराहनीय कार्य को देखते हुए बिहार कृषि विश्वविद्यालय सबौर, भागलपुर द्वारा वर्ष 2023 में ''नवाचारी किसान सम्मान'' से सम्मानित किया गया। ये जलवायु अनुकूल कृषि कार्यक्रम में सेवा प्रदाता के रूप में भी कार्य करते है।

परिणाम :– प्रारंभ में आपकी आय रू0 3.00 से 4.00 लाख के मध्य थी परन्तु वर्त्तमान समय में खेती एवं कृषियंत्रों के सेवा प्रदाता कार्य से रू0 8.50 से 9.00 लाख की शुद्ध आय प्राप्त कर रहे है।

उत्प्रेरक संस्था :– बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर, भागलपुर एवं कृषि विज्ञान केन्द्र, भोजपुर, आरा।

फोटो

कृषि विज्ञान केन्द्र

जापानी फार्म, कतीरा, भोजपुर, आरा,

(बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर, भागलपुर)

bhojpurkvk@gmail.com
09431091369

नाम : श्रीमति विधारानी सिंह
पति का नाम : श्री चन्द्र प्रकाश सिंह
ग्राम–खेसरहियाँ, पो0–श्रीपालपुर
प्रखंड–कोइलवर, जिला–भोजपुर
मो0 नं0 – 9631738804

आपके गाँव में छोटे एवं सिमांत किसान की बहुत ज्यादा संख्या है तथा गाँव की औसत जोत छोटी है। अधिकांश कृषि वर्षा आधारित खेती है जिसमें धान+गेहूँ फसल प्रणाली प्रमुख थी। सिंचाई जल का अभाव साथ में कम औसत उत्पादन के बाद विपणन में बिचौलियों के कारण तथा आपकी शुद्ध आय संतोषजनक नही रहती थी।

इनके पास 10 एकड़ भूमि है, जिसमें सिंचाई जल की व्यवस्था होने के बाद उत्पादन एवं उत्पाकता भी वृद्धि हुई है। इनके गाँव का चयन जलवायु अनुकूल कृषि कार्यक्रम में हुआ एवं अलग–अलग मौसम में फसल प्रणाली में सुधार के साथ ही कृषि यांत्रिकीकरण का प्रयोग किया गया। इनका पुत्र भी इस कृषि यांत्रिकरण कार्यक्रम में सेवा प्रदाता के रूप में ट्रैक्टर से अतिरिक्त आमदनी प्राप्त कर रहे हैं। इनके खेतों में भूमि समतलीकरण के पश्चात् कृषि लागत एवं सिंचाई जल में शुद्ध बचत में वृद्धि हुई है। इस कार्यक्रम के पश्चात् आप विभिन्न तकनीकी जैसे धान की सीधी बुवाई, भुन्य जुताई विधि से गेहूँ की खेती, बेड प्लांटर से मक्के की खेती पर बड़े पैमाने पर कर रही है। कृषि विज्ञान केन्द्र, भोजपुर के द्वारा निरंतर प्रशिक्षण एवं प्रदर्शन के पश्चात् आज आपके द्वारा मशरूम उत्पादन, बकरी पालन में आधारित महिलाओं का समूह का निर्माण किया गया है जिससे महिलायें व्यवसाय से अतिरिक्त आय प्राप्त कर रही है। आपके द्वारा मक्का की फसल अब साल में दो बार ली जा रही है एवं फसल प्रणाली में बदलाव हुआ है। इनके साथ अन्य कृषक भी लगभग पूरे वर्ष खेती के कार्य के साथ पशुपालन व्यवसाय से भी जुड़ गये है। व्यापक तौर पर धान+गेहूँ/चना/मसूर के साथ अब आप अन्य किसानों के साथ ही बाजरा+आलू/मटर/सरसों/मक्का फसल प्रणाली पर आधारित व्यापक खेती कर रहे है। आपने दो उन्नत नस्त की गाय का पालन कर इससे अतिरिक्त आय प्राप्त करना प्रारंभ किया है।

इनके कृषि क्षेत्र में योगदान के देखते हुए बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर द्वारा वर्ष 2021 में ''उत्कृष्ट कृषक सम्मान'' से सम्मानित किया गया।

परिणाम :– पूर्व में आपकी कृषि से आय रू0 3.00 से 3.50 लाख के मध्य थी परंन्तु कृषि में बहुआयामी कार्यक्रमों के अंगिकरण के पश्चात् रू0 8.00 से 9.00 लाख आप अपने परिवार के साथ प्राप्त कर रही है।

उत्प्रेरक संस्था :– बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर, भागलपुर, इफ्फको, पटना एवं कृषि विज्ञान केन्द्र, भोजपुर, आरा।

फोटो

कृषि विज्ञान केन्द्र

जापानी फार्म, कतीरा, भोजपुर, आरा,

(बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर, भागलपुर)

bhojpurkvk@gmail.com
09431091369

नाम : श्री बिरेन्द्र राय
पिता का नाम : स्व0 बुटन राय
ग्राम–डुमरियँ, पो0–श्रीपालपुर, पंचायत–खेसरहियाँ
प्रखंड–कोइलवर, जिला–भोजपुर
मो0 नं0 – 9128885442

बिरेन्द्र राय डुमरियाँ गाँव के भूमिहीन कृषक है। इनके गाँव में बलुई दोमट एवं दोमट मटियार समूह की मिट्टीयाँ है। पहले आप दूसरे व्यक्ति के यहाँ ट्रैक्टर चालक की नौकरी करते थे एवं थोड़ी बहुत दूसरों के खेत लीज पर लेकर खेती करते थे । आय के सिमित साधनों के कारण परिवार का भरण पोषण चुनौती थी। आपने नये विकल्प के तलाश हेतु कृषि विज्ञान केन्द्र, भोजपुर, आरा से संपर्क स्थापित।

वर्ष 2020 में इनके गाँव का चयन जलवायु अनुकूल कृषि कार्यक्रम के अंतर्गत हुआ। इसके पूर्व आप एक ट्रैक्टर सेकेण्ड हैड क्रय कर लिये थे। ट्रैक्टर से प्राप्त आय से तीस एकड़ खेत मालगुजारी पर लेना प्रारंभ किया है। कृषि विज्ञान केन्द, भोजपुर द्वारा खेती के वैज्ञानिक तरीके विशेषतौर पर ग्रीष्म में खाली खेत में बाजरे की खेती, मूँग की खेती, बेड प्लांटर से मक्के की खेती, शुन्य जुताई विधि से गेहूँ, धान, सरसों की खेती के बारे में प्रत्यक्षण कर बताया गया। भूमि समतलीकरण से आपकी कृषि पर व्यापक असर पड़ा देखा गया। इनके द्वारा व्यवसायिक खेती के लिए बैगन की खेती को प्राथमिकता दी गई एवं प्राप्त अतिरिक्त आय से दूसरा ट्रैक्टर खरीदा तथा कृषि विज्ञान केन्द्र, भोजपुर के द्वारा सेवा प्रदाता नियुक्त किया गया जिससे आय में काफी वृद्धि हुई । इनके गाँव में तकनीकों के लाभ को देखते हुए आसपास के चार–पाँच गाँव भी नई–नई तकनीकों का लाभ के लिए इनसे संपर्क कर सहयोग प्राप्त किया। जिन्हे सेवा प्रदाता के रूप में अपनी सेवा दे रहे है। आपके पास दो भैस, दो गाय भी है जिनके उत्पादन का विपणन स्थानिय स्तर पर किया जा रहा है।

उपरोक्त सम्पूर्ण घटको एवं कृषि से आय से रू0 4.00 लाख के आसपास हुआ करती थी। वर्त्तमान समय में आम का बगीचा भी लीज पर लेना प्रारंभ किया है। सभी स्त्रोतों से सारे खर्च काट कर लगभग वर्त्तमान समय में रू0 11.00 लाख की आमदनी प्रतिवर्ष प्राप्त कर रहे है।

इनके इस उपलब्धि को देखते हुए भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के पूर्वी क्षेत्र के शोध संस्थान, पटना ने ''कृषि समवर्त्ती क्षेत्र में विशिष्ट किसान सम्मान'' वर्ष 2023–24 में प्रदान किया है।

उत्प्रेरक संस्थाः– बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर, भागलपुर, कृषि विज्ञान केन्द्र, भोजपुर, आरा एवं आई.आर.आर.आई. वाराणसी ।

फोटो

कृषि विज्ञान केन्द्र

जापानी फार्म, कतीरा, भोजपुर, आरा,
(बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर, भागलपुर)
bhojpurkvk@gmail.com
09431091369

नाम : श्री अभिमन्यु कुमार सिंह
पिता का नाम : श्री भीम सिंह
ग्राम–देवरियँ, पो0–श्रीपालपुर, पंचायत–मथुरापुर
प्रखंड–कोइलवर, जिला–भोजपुर
मो0 नं0 – 7979705939

श्री अभिमन्यु कुमार सिंह देवरियाँ गाँव के निवासी है। इनके गाँव में मिट्टी काली मिट्टी होने के कारण मात्र दो फसल अर्थात धान, गेहूँ की खेती ही हो पाती है। पूर्व में सिंचाई के सिमित साधन रहने के कारण सिर्फ लम्बी अवधि के धान की खेती की जाती थी। अवसर सिंचाई के कमी के कारण धान का फुटाव कम हो पाता था। जिसके कारण उत्पादन में कमी देखी जाती थी। देर से धान के रोपाई के कारण गेहूँ/रबी फसल की बुवाई भी विलंब से होती थी। जिसके कारण गेहूँ एवं अन्य रबी फसलों के उत्पादन पर विपरीत प्रभाव देखा गया।

खेती को लाभप्रद बनाने के लिए कृषि विज्ञान केन्द्र, भोजपुर आरा में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया। इसके बाद समसामयिक कृषक प्रशिक्षण में भाग लेना प्रारंभ किया। समय–समय पर आपके गाँव में भी केन्द्र के वैज्ञानिकों ने प्रक्षेत्र भ्रमण कर आवश्यक निदेश दिया।

कृषि में निरंतर विकास एवं खेती में अच्छे उत्पादन प्राप्त करने पर विगत तीन वर्षों से गेहूँ एवं धान बीज उत्पादन का कार्य कृषि विज्ञान केन्द्र, भोजपुर, आरा तथा बिहार राज्य बीज निगम, बिहार सरकार, पटना के माध्यम से प्रारंभ किया। वर्त्तमान में आप तीस एकड़ में बीज उत्पादन करते है। 20 एकड़ में गेहूँ बीज का औसतन 15 क्विंटन प्रति एकड़ उत्पादन प्राप्त करते हुए 300 क्विंटन बीज का उत्पादन करते है। 20 क्विंटल प्रति एकड़ के दर से धान बीज का उत्पादन होता है । इसको बेचकर कुल 894000.00 (750000+144000) रूपये की आय प्राप्त कर रहे है। शेष भूमि में मक्का बाजरा से कुल रू0 3.00 लाख की अतिरिक्त आय होती है। सभी खर्च काट कर शुद्ध लाभ रू0 1100000.00 की आमदनी प्रति वर्ष हो रही है। इनके इस विशिष्ट कार्य को देखते हुए वर्ष 2023 में बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर, भागलपुर द्वारा ''नवाचारी किसान सम्मान'' प्रदान किया गया।

उत्प्रेरक संस्थाः– बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर, भागलपुर, बी.आई.एस.ए., समस्तीपुर एवं कृषि विज्ञान केन्द्र, भोजपुर, आरा।

फोटो